Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 22 अप्रैल, 2023

खाद्य सुरक्षा हेतु अंतरिक्ष बीज

अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) तथा खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) **जलवायु-सहिष्णु फसलों को विकसित करने हेतु अनुसंधान में तीव्रता ला रहे हैं।** बीजों की दो किस्में- **एराबिडोप्सिस** (गोभी परिवार का एक पौधा) और **ज्वार** (ज्वार, चोलम, या जोन्ना) **वर्ष 2022 में अंतरिक्ष में भेजे गए थे ताकि उन्हें कठोर परिवेश में उपजाकर जलवायु-सहिष्णु बनाया जा सके।** इसे **मार्च 2023 में पृथ्वी पर वापस लाया गया।** वैज्ञानिक **स्थिति-स्थापक फसलों के विकास की संभावनाओं की जाँच करेंगे जो जलवायु संकट के बीच पर्याप्त भोजन प्रदान करने में मदद कर सकती हैं।** वे **अत्यधिक आवश्यक फसलों के प्राकृतिक अनुवांशिक अनुकूलन में तेज़ी आने पर ब्रह्मांडीय विकिरण** (अंतरिक्ष में उत्पादित उच्च ऊर्जा वाले कणों, एक्स-रे और गामा किरणों से युक्त) **के प्रभावों की भी जाँच करेंगे। विकिरणों का बढ़ता स्तर आनुवंशिक परिवर्तन उत्पन्न** करता है जो उन्हें अधिक तापमान, शुष्क मिट्टी, बीमारियों और समुद्र के बढ़ते स्तर **का सामना करने में मदद करेगा।** संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के अनुसार, यह अनुसंधान महत्त्वपूर्ण है क्योंकि **बढ़ते तापमान और मौसम की अनियमितता ने वर्ष 1961 के बाद से वैश्विक खाद्य उत्पादन में लगभग 13 प्रतिशत की कमी की है।** ग्लोबल वार्मिंग के कारण किसानों के लिये पैदावार को बनाए रखना मुश्किल बना रही है।**आवश्यक अनाज की बढ़ती लागत और विश्व के विभिन्न हिस्सों में राजनीतिक अस्थिरता इसे बढ़ा रही है।**

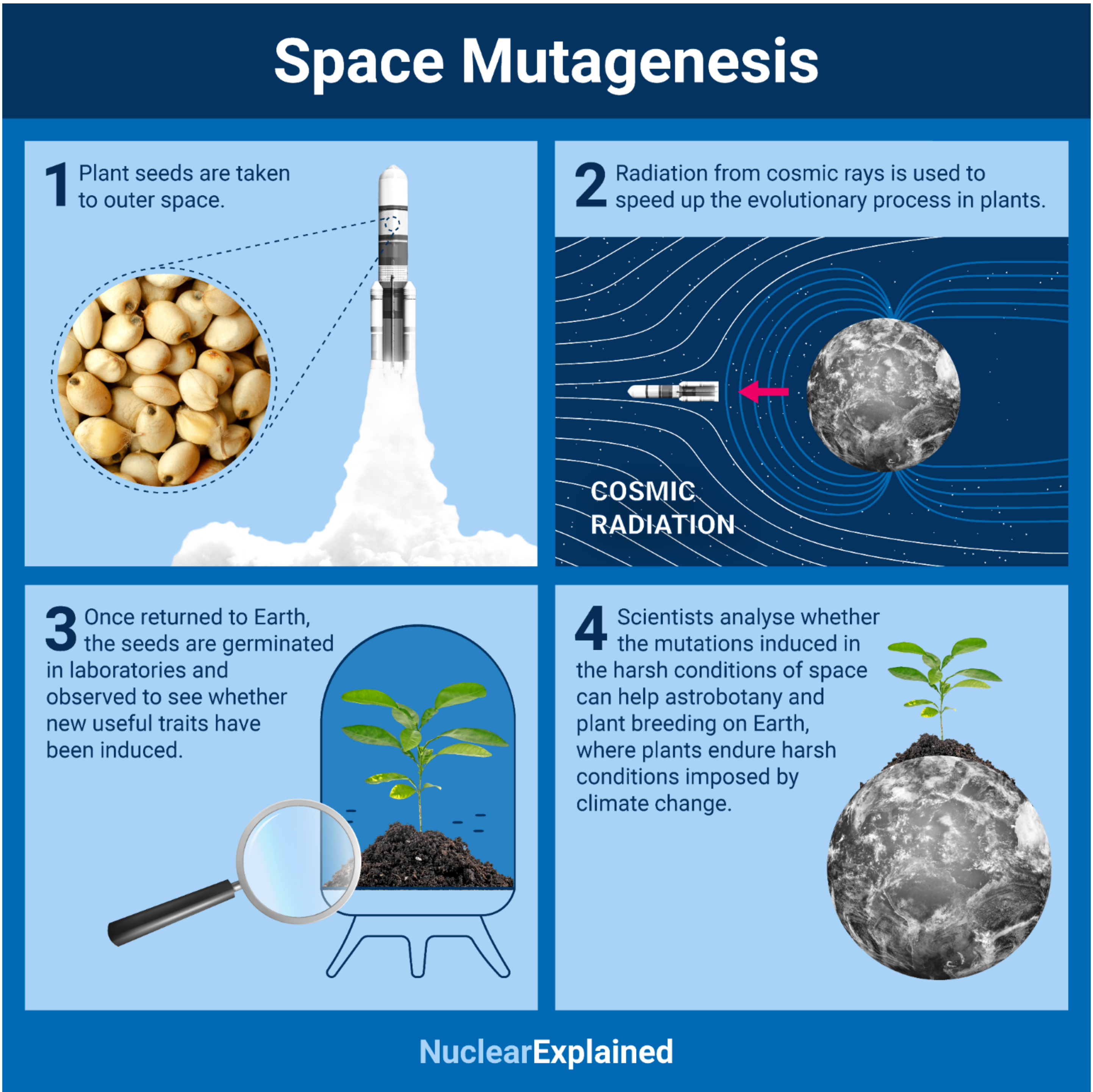

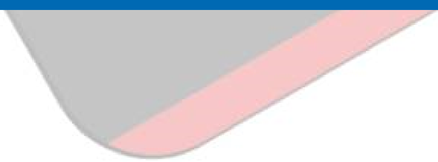

और पढ़े... [जलवायु परविर्तन और खाद्य असुरक्षा]

लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद

हाल ही में **लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद Ladakh Autonomous Hill Development Council (LAHDC)**, लेह ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया है जिसमें **दलाई लामा की "छवि खराब करने" की कोशिश करने वाले मीडिया घरानों और व्यक्तियों के लेह में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है**। दलाई लामा तिब्बती लोगों द्वारा तिब्बती बौद्ध धर्म के गेलुग अथवा**"येलो हैट" संप्रदाय के प्रमुख आध्यात्मिक व्यक्तित्व के लिये दिया गया एक सम्मान** है, जो तिब्बती बौद्ध धर्म के शास्त्रीय संप्रदायों में सबसे नवीन है। LAHDC एक स्वायत्त ज़िला परिषद है जो लद्दाख के लेह ज़िले को प्रशासित करती है। इस**परिषद का गठन वर्ष 1995 के लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद अधिनियम के तहत किया गया था।**

और पढ़ें… [दलाई लामा](), [लद्दाख द्वारा छठी अनुसूची की मांग]()

ग्लोबल यूनिकॉर्न इंडेक्स

हुरुन द्वारा ग्लोबल यूनिकॉर्न इंडेक्स (Global Unicorn Index) 2023 के अनुसार, स्विगी, ड्रीम11 और बायजू'एस (BYJU'S) **भारत के शीर्ष यूनिकॉर्न** हैं। एक यूनिकॉर्न किसी भी निजी स्वामित्व वाली फर्म है जिसका **बाज़ार पूंजीकरण 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर** से अधिक है। यह **अन्य उत्पादों/सेवाओं के अलावा रचनात्मक समाधान और नए व्यापार मॉडल पेश** करने के लिये समर्पित नई संस्थाओं की उपस्थिति को दर्शाता है। रिपोर्ट के अनुसार, **अमेरिका और चीन के बाद भारत यूनिकॉर्न की संख्या के साथ दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा** देश बना हुआ है। हालाँकि **हुरुन ग्लोबल 500 कंपनियों में भारत पाँचवें स्थान पर है, जो विश्व स्तर पर सबसे मूल्यवान गैर-राज्य-नियंत्रित** व्यवसायों की सूची है। रिपोर्ट के अनुसार, **भारत के बाहर स्थापित भारतीय यूनिकॉर्न्स की संख्या भारत के भीतर स्थित यूनिकॉर्न्स की संख्या** से अधिक है। भारत में **कुल 138 यूनिकॉर्न** हैं। रिपोर्ट से यह

भी ज्ञात हुआ कि **भारत रैंक की संख्या के मामले में तीसरे स्थान पर** है, जो 2000 के दशक में स्थापित स्टार्टअप हैं और जिनकी कीमत 500 मिलियन डॉलर (अभी तक सूचीबद्ध नहीं) से अधिक है, जो **तीन वर्ष के भीतर यूनिकॉर्न बनने की** संभावना है।

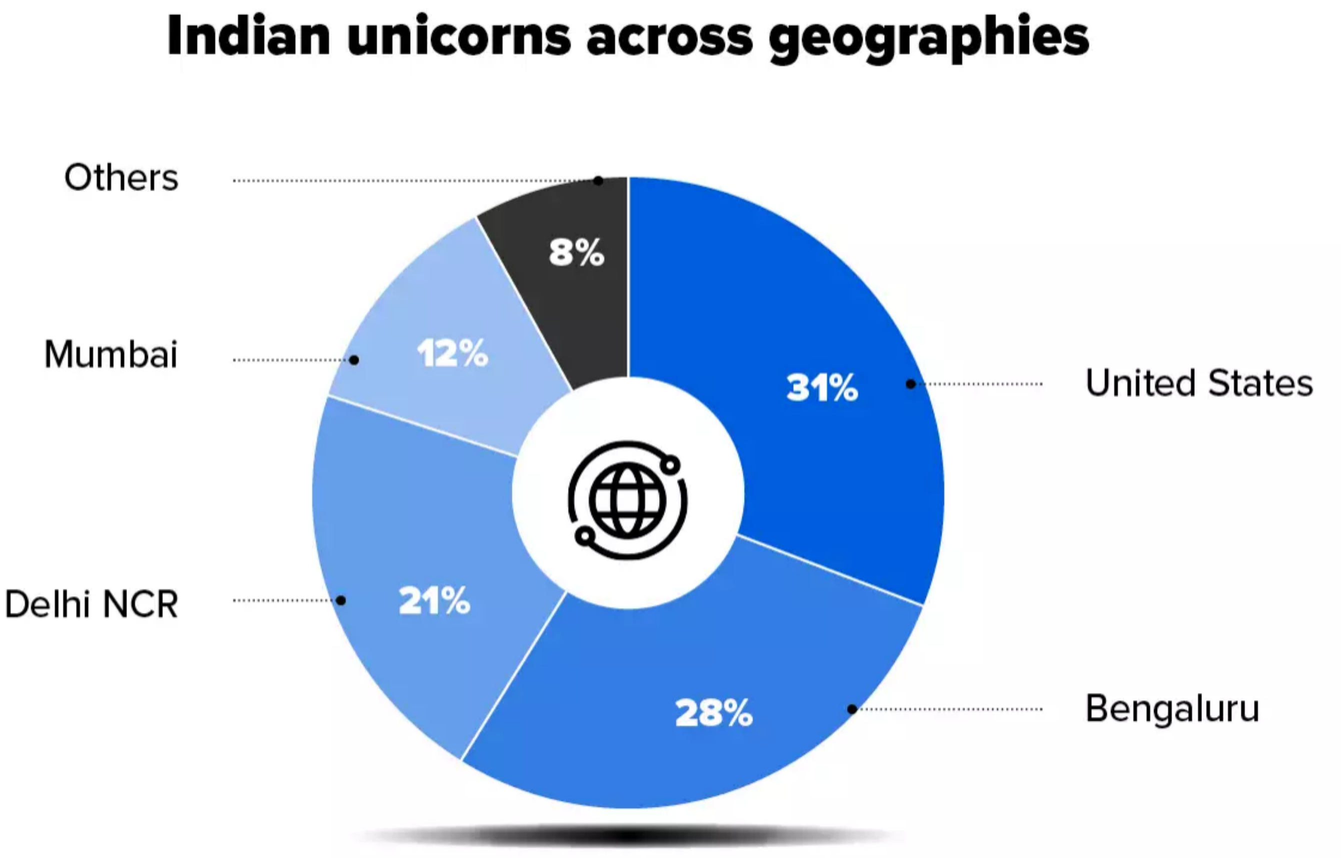

और पढ़ें...[भारत का स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र]

INIOCHOS-23 अभ्यास

भारतीय वायु सेना (Indian Air Force- IAF) **24 अप्रैल से 4 मई तक हेलेनिक वायु सेना (ग्रीस) द्वारा आयोजित बहु-राष्ट्रीय वायु अभ्यास INIOCHOS-23 में भाग लेगी। फ्राँस द्वारा प्रायोजित** [बहुराष्ट्रीय अभ्यास ओरियन] **के अलावा IAF अमेरिका के साथ** [कोप इंडिया अभ्यास] में भाग ले रहा है। IAF INIOCHOS-23 अभ्यास में **चार** [Su-30 MKI] **और दो** [C-17 विमानों] **के साथ भाग लेगा। अभ्यास का उद्देश्य भाग लेने वाली वायु सेनाओं के बीच अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, तालमेल और अंतर-क्षमता को बढ़ाना है।**

और पढ़ें...[भारतीय वायु सेना]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-22-april,-2023